AARSH BOOKS

संस्कृत सुबोध

Teacher's Resource Book

Class 3

संस्कृत सुबोध-3

1 बालगीतम्

❒ अभ्यासकंठी

1. (क) (ii) चटका (ख) (iii) कूर्दते

2. (क) पुनरागच्छति,
किञ्चिद विरमति
(ख) सदा शङ्किता,
सततं भीता तृणं
(ग) रचयति,
सुखिता

3. (क) पुनरागच्छति (ii) फिर आती है
(ख) जातु (iv) कभी भी
(ग) आनयते (v) लाती है
(घ) रचयति (iii) बनाती है
(ङ) सुखिता (i) सुख से

4. (क) चिड़िया सुन्दर घोंसला बनाती है।
(ख) वर्तिका बार-बार उड़ती है।
(ग) वह कभी-कभी कूदती हुई रुक जाती है।
(घ) यह बकरी चंचल है।

5. (क) कुक्कुर: भौ-भौ करोति।
(ख) एषा: छात्रा: किम् मलूक: अस्ति:।
(ग) अश्व: परित: पश्यति।
(घ) चटका मुहुर्मुहु गच्छति।

❒ क्रियाकलापम्

1. (क) ते क्रीडते।
(ख) चक्रम उन्नति प्रतीकं अस्ति।
(ग) चटका तृणे नीडम रचयति।
(घ) चटका परित: पश्यति।

2. एक चिड़िया का सुन्दर चित्र छात्र स्वयं बनाएँ।

❒

2 विभक्तयः कारकाः

❒ अभ्यासकंठी

1. (क) (ii) गाँव को (ख) (i) बालकाय

2. (क) कपिलः
(ख) ग्रामं
(ग) दण्डेन
(घ) बालकाय
(ङ) पत्राणि

3. (क) गेंद से (ख) मोहन के लिए
(ग) मोहन की (घ) पेड़ से
(ङ) विद्यालय से (च) दिनेश का

4.

रामः	राम को
रामम्	राम ने
रामेण	राम के लिए
रामाय	राम के साथ

रामात्	राम का
रामस्य	राम से
रामे	हे राम
हे राम!	राम में

❒

3 परिश्रमी सफलं भवति

❒ अभ्यासकंठी

1. (क) (ii) कच्छपः (ख) (i) धावतः
(ग) (iii) कच्छपः (घ) (ii) शशकः

2. (क) वृक्षं
(ख) धावति।
(ग) कच्छपः
(घ) पराजितः

3. (क) ✗ (ख) ✓ (ग) ✓ (घ) ✗

4. (क) खरगोश तेज दौड़ता है।
(ख) कछुआ वहाँ विश्राम नहीं करता है।
(ग) वह आगे जाता है।
(घ) लेकिन वह कछुआ वहाँ पहले पहुँचता है।

5. (क) तौ मित्रौ स्तः।
(ख) अहं शीघ्रं धावामिः।

(ग) शशकः मार्गे एकं पश्यति।

(घ) कच्छपः विजयी भवति।

(ङ) अलसः शशकः पराजितः भवति।

❒ क्रियाकलापम्

1. 'पश्य' धातु के लट् लकार के रूप—

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम	पश्यति	पश्यतः	पश्यन्ति
मध्यम	पश्यसि	पश्यथः	पश्यथ
उत्तम	पश्यामि	पश्यावः	पश्यामः

2. 'भू' धातु के लट् लकार के रूप—

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम	भवति	भवतः	भवन्ति
मध्यम	भवसि	भवथः	भवथ
उत्तम	भवामि	भवावः	भवामः

❑

4 भारतीयः कृषकः

❒ अभ्यासकंठी

1. (क) (ii) ग्रामेषु (ख) (iii) हलेन

(ग) (i) ईश्वरस्य पूजाम् (घ) (ii) निर्धनाः

2. (क) सूर्योदयात्

(ख) हलेन

(ग) सिञ्चन्ति

(घ) आधुनिकैः यन्त्रैः

3. (क) अधिकतर किसान गाँवों में रहते हैं।

(ख) किसान सूर्य निकलने से पहले जाग जाते हैं।

(ग) किसान अनाज उगाकर संसार को जीवित रखते हैं।

(घ) इसलिए उनका बहुत महत्त्व है।

4. (क) ते परिश्रमेण कृषिकायं कुर्वन्ति।

(ख) ते हलेन क्षेत्रं कर्षन्ति।

(ग) ते जलेन क्षेत्रं सिञ्चन्ति।

5. (क) कृषक: कृषिकार्यं करोति।
(ख) कृषका: सूर्योदयात पूर्वम एव शयनात् उत्तिष्ठन्ति।
(ग) ते हलेन क्षेत्रं कर्षन्ति।
(घ) अधिकांशा: कृषका: ग्रामेषु निवसन्ति।
(ङ) कृषकाणाम्: दशा उत्तम न अस्ति।

❒ क्रियाकलापम्

'भारतीय किसान' विषय पर पाँच वाक्य—

1. कृषक: कृषिकार्यं करोति।
2. कृषका: सूर्योदयात् पूर्वम एव शयनात् उत्तिष्ठन्ति।
3. कृषका: हलेन क्षेत्रं कर्षन्ति।
4. कृषका: ग्रामेषु निवसन्ति।
5. कृषका: दशा उत्तम नास्ति। ❑

5 भारतवर्षम्

❒ अभ्यासकंठी

1. (क) (i) भारतवर्षे (ख) (i) सौहार्देन
(ग) (iii) पाकिस्तानम् (घ) (ii) प्राणेभ्य:

2. (क) देशम्
(ख) उत्तरस्यां
(ग) समुद्रौ
(घ) प्राणेभ्य:

3. (क) यहाँ अनेक धर्मों को मानने वाले रहते हैं।
(ख) हिमालय शत्रुओं से हमारी रक्षा करता है।
(ग) सभी भारतीय धन्य हैं।
(घ) भारत की भूमि पर अनेक महापुरुष हुए।

4. (क) सौहार्देन सर्वेजना: व्यवहारन्ति।
(ख) भारतभूमे अनेके महापुरुषा: अभवन्।
(ग) अत्र अनेके धर्मावलम्बिना: निवसन्ति।

5. (क) वयं भारतदेशे निवसाम:।
(ख) भारतवर्षे उत्तरस्यां दिशि हिमालय: पर्वत: अस्ति।
(ग) भारतस्य पश्चिम दिशि पाकिस्तान देश: अस्ति।
(घ) शत्रुभ्य: अस्माकं रक्षां हिमालय: करोति।
(ङ) भारतभूमे जना: धन्या: सन्ति।

❒ स्मरणीया

'गच्छ' धातु के लट्लकार के रूप—

	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	गच्छति	गच्छत:	गच्छन्ति
मध्यम पुरुष	गच्छसि	गच्छथ:	गच्छथ
उत्तम पुरुष	गच्छामि	गच्छाव:	गच्छाम:

❑

6 मम विद्यालय:

❒ अभ्यासकंठी

1. (क) (iii) शिक्षकानाम् (ख) (ii) फुटबालस्य

2. (क) अहम्
(ख) मम
(ग) उद्यानम्
(घ) पत्राणि, पत्रिका:
(ङ) ज्ञानं

3. (क) पठति (ख) पठत:
(ग) पठन्ति (घ) पठसि
(ङ) पठथ: (च) पठथ
(छ) पठामि (ज) पठाव:
(झ) पठाम:

4. (क) अत्र (ख) तत्र
(ग) ह्य: (घ) श्व:
(ङ) अनुज: (च) अनुजा

5. (क) अहं तृतीय कक्षायां पठामि।
(ख) पुस्तकानां पठनेन ज्ञानं भवति।
(ग) पुस्तकालये बहूनि पुस्तकानि सन्ति।
(घ) ह्य: विद्यालये फुटबालस्य क्रीडा अभवत्।
(ङ) अहं विद्यालये कंदुकेन क्रीडामि।

❒ क्रियाकलापम्

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग	नपुंसकलिंग
अश्व: (घोड़ा)	चटका (चिड़िया)	पत्रम् (चिट्ठी)
नृप: (राजा)	पिपीलिका (चींटी)	पुस्तकम् (किताब)
रजक: (धोबी)	अजा (बकरी)	रुप्यकम् (रुपया)

❑

7 सूक्तिसञ्चयः

❒ अभ्यासकंठी

1. (क) (ii) प्रथमो (ख) (i) विद्याधनं

2. (क) विभूतयः

(ख) पूज्यते

(ग) विद्याधनम्

(घ) क्षमा

(ङ) सहसा

3. (क) विद्वान् धनी घमंड नहीं करते हैं।

(ख) व्यवहार ही प्रथम धर्म है।

(ग) विद्याधन सब धनों का प्रधान है।

(घ) महान चरित्र वालों के लिए तो सारी पृथ्वी परिवार है।

(ङ) दूसरों के साथ ऐसा व्यवहार न करें जो स्वयं को पसंद न हो।

4. (क) सत्यमेव जयते।

(ख) आचारः प्रथमो धर्मः।

(ग) सहसा क्रियाम् न विदधीत्।

(घ) विद्वान कुलीनो न करोति गर्वम।

❒ स्मरणीया

सही जोडे का मिलान—

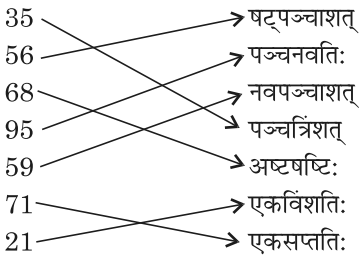

❑

8 मूर्खः मित्रः

❒ अभ्यासकंठी

1. (क) (i) पशवः (ख) (i) नासिका

2. (क) ✗ (ख) ✓ (ग) ✓ (घ) ✗
(ङ) ✓

3. (क) पशवः
(ख) प्रियः
(ग) व्यजनेन
(घ) नासिकायाम्
(ङ) मूर्खैः

4. (क) एक समय नगर में एक सोने का व्यापारी था।
(ख) मक्खी के अनेक बार बैठने पर वह बन्दर बहुत क्रोधित हुआ।
(ग) मूर्ख के साथ मित्रता अच्छी नहीं होती है।
(घ) बन्दर बार-बार उस मक्खी को हाथ के पंखे से हटाता था।
(ङ) तलवार से सोने के व्यापारी की नाक कट गई।

5. (क) रामस्य गृहे एकः कुक्कुरः अस्ति।
(ख) विद्यालये बहुनः छात्राः पठन्ति।
(ग) काकः बारं-बारं घटम् अपश्यत्।
(घ) वयं कन्दुकेन क्रीडास्यामः।
(ङ) माताः रामम् भोजनं अददात्।

6. (क) नगरे एकः स्वर्णस्य पणिकः अवसत्।
(ख) पणिकस्य स्वभावः अतीव दयालुः आसीत्।
(ग) मक्षिका नासिका आगत्य अतिष्ठत्।
(घ) मक्षिका पुनः-पुनः आगत्य पणिकस्य नासिकायाम् उपरि उपाविशत्ः।
(ङ) खड्गेन प्रहारम् पणिकस्य नासिका छिन्ना अभवत्।

❒ क्रियाकलापम्

'गम्' धातु के लङ लकार के रूप—

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम	अगच्छत्	अगच्छताम्	अगच्छन्
मध्यम	अगच्छः	अगच्छतम्	अगच्छत
उत्तम	अगच्छम्	अगच्छाव	अगच्छाम

❑

9 अस्माकं धेनुः

❐ अभ्यासकंठी

	(अ)	(ब)
1.	(क) धेनु अस्मभ्यं	(iv) दुग्धम् ददाति।
	(ख) धेनोः वत्साः	(i) हलेन क्षेत्रं कर्षन्ति।
	(ग) जनाः गोमयेन	(ii) गृहाणि लेपयन्ति।
	(घ) धेनोः दुग्धं	(iii) मधुरं पुष्टिकरं च भवति।

2. (क) पुष्टिकरं
(ख) पुष्टाः
(ग) वत्साः
(घ) पवित्रं

3. (क) अहम् दुग्धं पिबामि।
(ख) ते विद्यालयं गच्छन्ति।
(ग) धेनुः हरिततृणानि खादति।
(घ) त्वं कदा पठिष्यसि?

4. (क)	मोहनः पुस्तकं पठति।	मोहनः पुस्तकं पठिष्यति।
	मोहन पुस्तक पढ़ता है।	मोहन पुस्तक पढ़ेगा।
(ख)	रमा भोजनं खादति।	रमा भोजनं खादिष्यति।
	रमा भोजन खाती है।	रमा भोजन खायेगी।
(ग)	बालिकाः हसन्ति।	बालिकाः हसिष्यन्ति।
	लड़कियाँ हँसती हैं।	बालिकाएँ हँसेंगी।
(घ)	अहं पठामि।	अहम् पठिष्यामि।
	मैं पढ़ता हूँ।	मैं पढ़ूँगा।

5. (क) धेनुः कार्पासबीजामि, हरिततृणानि, खलिं चणकान् च खादति।
(ख) धेनोः दुग्धात्, नवनीतं, दधि, तक्रं घृतम् च निर्मीयते।
(ग) धेनोः वत्साः हलेन क्षेत्र कर्षन्ति।
(घ) जनाः गोमयेन गृहाणि लेपयन्ति।

❐ क्रियाकलापम्

1. अपने पालतू कुत्ते के सम्बन्ध में पाँच वाक्य—
मम कुक्कुरः नामं मोती अस्ति।
सः रोटिका खादति।

स: दुग्धं पिबति।
स: तीव्रं धावति।
स: तीव्रं भौ-भौ करोति।

2. अपने पालतू पशुओं के चित्र छात्र स्वयं दें।

❑

10 दीपावलि:

❑ अभ्यासकंठी

1. (क) (ii) हिन्दूनाम् (ख) (iii) रावणम्
(ग) (ii) द्यूतक्रीडां (घ) (i) प्रेम्ण:

2. (क) अमावस्यायां
(ख) सुधालेपनं
(ग) अयोध्याम्
(घ) लक्ष्मण:
(ङ) मिष्ठान्नानि

3. (क) दीपावली हिन्दुओं का एक बड़ा त्यौहार है।
(ख) इस त्यौहार से पहले लोग अपने घरों की सफाई करते हैं और चूने की पुताई करते हैं।
(ग) घरों में दीपों की पक्तियाँ लोगों का मन मोह लेती हैं।
(घ) कुछ लोग जुआ खेलते हैं। ऐसा खेल हमेशा के लिए त्यागने योग्य है।

4. (क) रामस्य पितृस्य नाम: दशरथ आसीत्।
(ख) बालका: मिष्ठान्नां खादन्ति।
(ग) वृक्षात् पत्राणि पतन्ति।
(घ) दीपावलि: हिन्दू नाम एक: महान् उत्सव: अस्ति।
(ङ) किं त्वं मिष्ठान्नां पियं रुचसि?

5. (क) दीपावलि: उत्सव: दिने बालका: स्फोटकपदार्थान्।
(ख) दीपावलि: उत्सव: दिने मिष्ठान्नानि वितरन्ति।
(ग) दीपावलि: उत्सवस्य पूर्व: जना: स्वगृहाणि **निर्मलानि** कुर्वन्ति।
(घ) स्व भगिनी गृहे मिष्ठान्नानि नीत्वा गच्छन्ति।

6. (क) दीपावलि: उत्सव: कार्तिकमासस्य अमावस्यायां भवति।
(ख) अद्य: श्रीरामचन्द्र: रावणं हत्वा अयोध्याम् आगच्छत्।
(ग) दीपावल्या: अवसरे लक्ष्म्या: पूजा कुर्वन्ति।
(घ) द्यूत क्रीड़ा सर्वथा परित्याज्या।
(ङ) गोवर्धनस्य पूजा दीपावलि: महोत्सवस्य पश्चात् क्रियते।

❐ क्रियाकलापम्

'बालक' शब्द के सभी विभक्तियों एवं वचनों में रूप—

विभक्ति	**एकवचन**	**द्विवचन**	**बहुवचन**
प्रथमा	बालक:	बालकौ	बालका:
द्वितीया	बालकम्	बालकौ	बालकान्
तृतीया	बालकेन	बालकाभ्याम्	बालकै:
चतुर्थी	बालकाय	बालकाभ्याम्	बालकेभ्य:
पंचमी	बालकात्	बालकाभ्याम्	बालकेभ्य:
षष्ठी	बालकस्य	बालकयो:	बालकानाम्
सप्तमी	बालके	बालकयो:	बालकेषु
सम्बोधन	हे बालक	हे बालकौ	हे बालका:

❑

11 लोभी कुक्कुर:

❐ अभ्यासकंठी

1. (क) अपतत्
(ख) गच्छथ।
(ग) पठिष्याम:
(घ) क्रीडिष्यसि
(ङ) अपिबन्
(च) अगच्छम्

2. (क) अस्थि
(ख) प्रतिबिम्बं
(ग) कुक्कर:
(घ) अपहरामि
(ङ) अपतत्

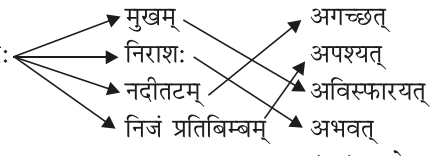

3. कुक्कुर: → मुखम् → अविस्फारयत्
कुक्कुर: → निराश: → अभवत्
कुक्कुर: → नदीतटम् → अगच्छत्
कुक्कुर: → निजं प्रतिबिम्बम् → अपश्यत्

4. (क) अपश्यत्
(ख) जले
(ख) कुक्कुरस्य
(घ) विचिन्त्य
(ङ) एकदा
(च) प्रतिबिम्बम्

5. (क) फलम् वृक्षात् अपतत्।
(ख) कुक्कुर: निराश: अभवत्।

(ग) ते दुग्धं अपिबन्:।
(घ) क्षेत्रे एक: सिंह: अनिवसत्:।
(ङ) वृक्षे पक्षी: निवसन्ति।

6. (क) कुक्कुर: नदीतटम् अगच्छत्।
(ख) कुक्कुरस्य मुखे एका: अस्थि आसीत्।
(ग) कुक्कुर: जले अपर: कुक्कुर: अपश्यत्।
(घ) अहं अस्य कुक्कुरस्य अस्थि अपहरामि।
(ङ) जले कुक्कुरस्य अस्थि अपतत्।

❒ क्रियाकलापम्

(क) पठिष्यति	पठ्	लृट (भविष्यत् काल)
(ख) आसीत्	अस्	लङ (भूतकाल)
(ग) अस्ति	अस्	लट् (वर्तमान काल)
(घ) खादिष्यसि	खाद्	लृट (भविष्यकाल)
(ङ) अहसन्	हस्	लङ (भूतकाल)
(च) नृत्यामि	नृत्य	लृट् (भविष्यकाल)

❑

12 चतुर: काक:

❒ अभ्यासकंठी

1. (क) (ii) चतुर: (ख) (iii) उपलान्

2. (क) अतीव (ख) सर्वत्र
(ग) अपि (घ) बारं-बारं
(ङ) एवम् (च) तदा
(छ) न (ज) एकदा

3. (क) जलं प्राप्तुं
(ख) अगच्छत्
(ग) चिरम्
(घ) उपलम्
(ङ) सफलताम्

4. (क) राम ने पुस्तक पढ़ी।
(ख) राम पुस्तक पढ़ेगा।
(ग) राम पुस्तक पढ़ता है।
(घ) मोहन विद्यालय गया।
(ङ) रमा पत्र लिखेगी।

5. (क) काकः चतुरः आसीत्।
(ख) जलं पातुं काकः चिरम् अचिन्तयत्।
(ग) काकः घटे उपलम् अक्षिपत्।
(घ) ये परिश्रमं कुर्वन्ति।
(ङ) परिश्रमेण हि कार्याणि सिद्धयन्ति।

❒ क्रियाकलापम्

(क) हसति	हसतौ	हसन्ति
(ख) गमिष्यसि	गमिष्यथः	गमिष्यथ
(ग) अलिखम्	अलिखाव	अलिखाम
(घ) नृत्यसि	नृत्यथः	नृत्यथ
(ङ) अखादामि	अखादाव	अखादाम
(च) पश्यामि	पश्यावः	पश्यामः

❑

13 रक्षकः भक्षकात् प्रशस्यतरः

❒ अभ्यासकंठी

1. (क) (ii) दयालुः (ख) (iii) रमणीयम्
(ग) (i) हंसस्य (घ) (ii) रक्षकः

2. (क) सिद्धार्थ
(ख) आकाशात्
(ग) कलरवम्
(घ) निर्णयम्

3. (क) सिद्धार्थ उसे लेकर झोपड़ी में आ गया।
(ख) सेवा करने वाला मारने वाले से अधिक अच्छा होता है।
(ग) सिद्धार्थ ने हंस की रक्षा की, इस प्रकार यह हंस सिद्धार्थ का है।
(घ) वह हंस शरण में घायल था।
(ङ) वहाँ बहुत से पक्षी कलरव करते हैं।

4. (क) सः कलमेण लिखति।
(ख) माता मोहनाय दुग्धं ददाति।
(ग) अहम ह्यः पुस्तकं अपठम्।
(घ) यूयं श्वः विद्यालयं गमिष्यथ।
(ङ) वयं तत्र क्रीडेम।

	वर्तमान काल (लट् लकार)	भूतकाल (लङ् लकार)
5.	(क) बालक: पुस्तकं पठति।	बालक: पुस्तकम् अपठत।
	(ख) स: विद्यालयं गच्छति।	स: विद्यालयं अगच्छत्।
	(ग) मोहन: पत्रं लिखति।	मोहन पत्रं अलिखत।
	(घ) बालका: कन्दुकेन क्रीडन्ति।	बालका: कन्दुकेन अक्रीडायन्।
	(ङ) अहं पुस्तकं पठामि।	अहं पुस्तकं अपठामि।
	(च) स: बालक: वीर: अस्ति।	स: बालक: वीर: आसीत्।
6.	(क) सिद्धार्थ: भ्रमणाय कुत्र अगच्छत्?	सिद्धार्थ भ्रमणाय उपवनम् अगच्छत्।
	(ख) हंस: केन आहत: आसीत्?	हंस शरेण आहत: आसीत्।
	(ग) उपवनं कीदृशम् आसीत्?	उपवनम् अतीव रमणीय आसीत्।
	(घ) हंसस्य रक्षक: क: आसीत्?	सिद्धार्थ हंसस्य रक्षक: आसीत्।

❑

14 वन्दे मातरम्

❑ अभ्यासकंठी

1. कोटि कोटि कलकल निनाद कराले
कोटि कोटि भुजैर धृत खर करवाले
अबला केना माँ एतो बलेबहु बल धारिनीम्, नमामि तारिणीम्।
रिपुदालवारिनियम मातरम्!
तुमि विद्या, तुमि धर्म
तुमि हृदि, तुमि मर्म,
त्वं हि प्राण: शरीरे!
बहुते तुमि माँ शक्ति,
हृदय तुम्हीं माँ भक्ति,
तोमार यि प्रतिमा गड़ी मंदिरे-मंदिरे!

अनुवाद— करोड़ों कण्ठों की जोशीली आवाजें
भुजाओं में तलवारों को धारण किये हुए,
क्या इतनी शक्ति के बाद भी : हे माँ तू निर्बल है,
तू ही हमारी भुजाओं की शक्ति है,
मैं तेरी पद वन्दना करता हूँ मेरी माँ।
तू ही मेरा ज्ञान, तू ही मेरा धर्म है,

तू ही मेरा अन्तर्मन, तू ही मेरा लक्ष्य,
तू ही मेरे शरीर का प्राण,
तू ही भुजाओं की शक्ति है,
तेरी ही मन मोहिनी मूर्ति
एक-एक मंदिर में। ❑

15 वार्त्तालापः

❑ अभ्यासकंठी

1. (क) (ii) सप्तवादन वेलायाम् (ख) (i) मध्याह्ने

2. (क) गमिष्यसि
(ख) संस्कृत
(ग) त्वम्
(घ) जलं
(ङ) भोजन मंत्र

3.

(क) रासभा:	(i) हो
(ख) सप्तवादन वेलायाम्	(ii) पीऊँगा
(ग) मध्याह्ने	(iii) सात बजे
(घ) पास्यामि	(iv) गधे
(ङ) असि	(v) दोपहर में

4.

वर्तमान काल (लट् लकार) की क्रिया	**भविष्यत् काल (लृट् लकार) की क्रिया**
(क) हसति	हसिष्यति
(ख) धावति	धाविष्यति
(ग) वदति	वदिष्यति
(घ) पठन्ति	पठिष्यन्ति
(ङ) हसन्ति	हसिष्यन्ति
(च) लिखामि	लिखिष्यामि
(छ) वदसि	वदिष्यसि

5. (क) त्वं श्व: कुत्र गमिष्यसि।
(ख) विद्यालये वयं संस्कृतभाषा पठिष्याम:।
(ग) भोजनात् पूर्वं भोजनमन्त्रं वदामि।
(घ) भोजनस्य अन्ते त्वं किं करिष्यसि?
(ङ) अहम् द्वौ रोटिका खादिष्यामि।

6. (क) सौरभ: विद्यालयं सप्तवादन वेलायां गमिष्यति।
(ख) सौरभ: विद्यालये संस्कृत भाषा पठति।
(ग) संस्कृत भाषा अति सरला मधुरा च अस्ति।
(घ) विपुल: भोजनात् पूर्वं भोजनं मंत्रं वदामि।

❒ क्रियाकलापम्

रिक्त स्थान पूर्ति—

1. पुरुष	**एकवचन**	**द्विवचन**	**बहुवचन**
प्रथम	लिखिष्यति	लिखिष्यत:	लिखिष्यन्ति
मध्यम	लिखिष्यसि	लिखिष्यथ:	लिखिष्यथ
उत्तम	लिखिष्यामि	लिखिष्याव:	लिखिष्याम:

2. पुरुष	**एकवचन**	**द्विवचन**	**बहुवचन**
प्रथम	पठिष्यति	पठिष्यत:	पठिष्यन्ति
मध्यम	पठिष्यसि	पठिष्यथ:	पठिष्यथ
उत्तम	पठिष्यामि	पठिष्याव:	पठिष्याम:

3. पुरुष	**एकवचन**	**द्विवचन**	**बहुवचन**
प्रथम	गमिष्यति	गमिष्यत:	गमिष्यन्ति
मध्यम	गमिष्यसि	गमिष्यथ:	गमिष्यथ
उत्तम	गमिष्यामि	गमिष्याव:	गमिष्याम:

❑